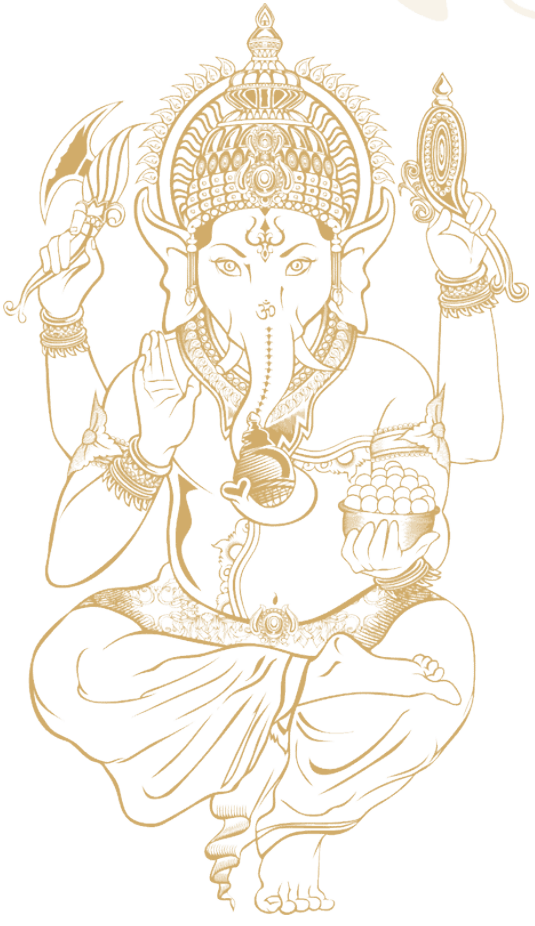

Mr.santosh

06 Feb 1994

07:50 PM

Rudraprayag

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119709202

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
06/02/1994	जन्म तिथि	**06/02/2025**
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:50:00	जन्म समय	18:38:35 घंटे
घटी 31:59:48	जन्म समय(घटी)	29:02:09 घटी
India	देश	India
Rudraprayag	स्थान	Rudraprayag
उत्तर 30:16:00	अक्षांश	30:16:00 उत्तर
पूर्व 78:59:00	रेखांश	78:59:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:04	स्थानिक संस्कार	-00:14:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:04	सूर्योदय	07:01:43
17:54:32	सूर्यास्त	17:54:57
23:46:45	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:29

सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
धनु	राशि	वृष
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
मूल	नक्षत्र	कृतिका
केतु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	4
हर्षण	योग	ब्रह्म
बालव	करण	कौलव
यो-योगेश	जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	मेष
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	गरुड़
31	गत/तत्कालिक वर्ष	32

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०फाल्गुनी	2	19:16:25	सिंह			लग्न			सिंह	03:53:00	2	मघा
धनिष्ठा	1	23:47:24	मक			सूर्य			मक	23:47:24	1	धनिष्ठा
मूल	2	05:16:13	धनु			चंद्र			वृष	09:30:41	4	कृतिका
श्रवण	2	13:34:11	मक		अ	मंगल	व		मिथु	24:47:48	2	पुनर्वसु
शतभिषा	2	11:51:40	कुंभ			बुध		अ	मक	21:36:00	4	श्रवण
विशाखा	1	20:07:54	तुला			गुरु			वृष	17:04:42	3	रोहिणी
धनिष्ठा	2	28:42:44	मक		अ	शुक्र			मीन	07:23:13	2	उ०भाद्रपद
शतभिषा	1	07:14:09	कुंभ			शनि			कुंभ	23:49:42	2	पू०भाद्रपद
अनुराधा	1	06:06:28	वृश्चि	व		राहु	व		मीन	03:58:59	1	उ०भाद्रपद
कृतिका	3	06:06:28	वृष	व		केतु	व		कन्या	03:58:59	3	उ०फाल्गुनी
उत्तराषाढ़ा	1	29:56:07	धनु			मु			मीन	19:16:25	1	रेवती

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:29

लग्न-चलित

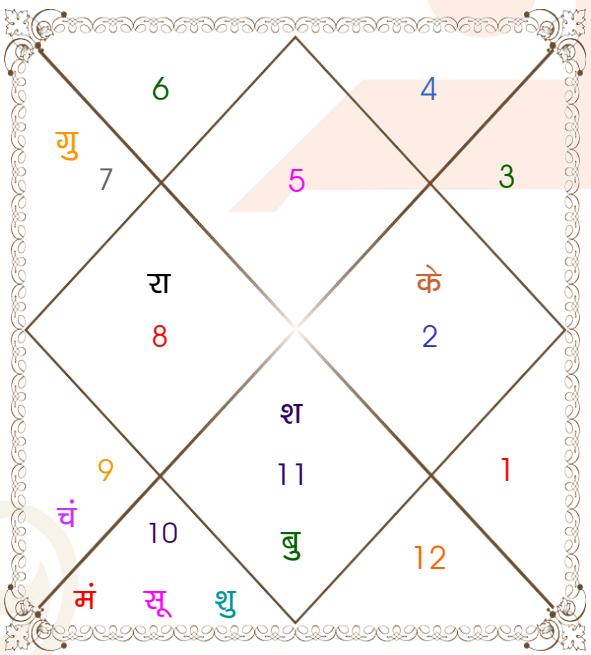

वर्ष लग्न कुंडली

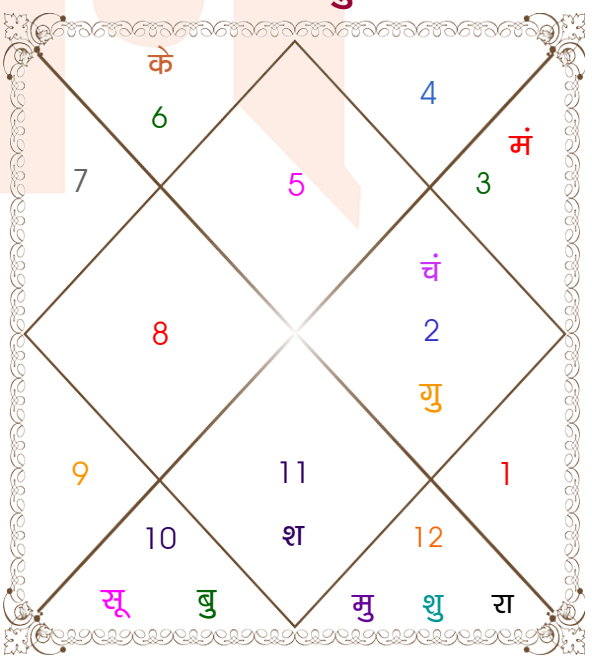

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - राहु - राहु		चंद्र - राहु - गुरु		चंद्र - राहु - शनि		चंद्र - राहु - बुध	
01/10/2025 21:07		23/12/2025 01:28		06/03/2026 02:40		31/05/2026 20:36	
23/12/2025 01:28		06/03/2026 02:40		31/05/2026 20:36		17/08/2026 11:22	
राहु	14/10/2025 04:58	गुरु	01/01/2026 19:14	शनि	19/03/2026 20:18	बुध	11/06/2026 20:29
गुरु	25/10/2025 03:57	शनि	13/01/2026 08:49	बुध	01/04/2026 03:15	केतु	16/06/2026 09:09
शनि	07/11/2025 04:14	बुध	23/01/2026 17:11	केतु	06/04/2026 04:42	शुक्र	29/06/2026 07:37
बुध	18/11/2025 19:39	केतु	27/01/2026 23:28	शुक्र	20/04/2026 15:41	सूर्य	03/07/2026 04:45
केतु	23/11/2025 14:43	शुक्र	09/02/2026 03:40	सूर्य	24/04/2026 23:47	चंद्र	09/07/2026 15:59
शुक्र	07/12/2025 07:26	सूर्य	12/02/2026 19:19	चंद्र	02/05/2026 05:16	मंगल	14/07/2026 04:39
सूर्य	11/12/2025 10:03	चंद्र	18/02/2026 21:25	मंगल	07/05/2026 06:43	राहु	25/07/2026 20:04
चंद्र	18/12/2025 06:25	मंगल	23/02/2026 03:41	राहु	20/05/2026 07:00	गुरु	05/08/2026 04:26
मंगल	23/12/2025 01:28	राहु	06/03/2026 02:40	गुरु	31/05/2026 20:36	शनि	17/08/2026 11:22

चंद्र - राहु - केतु		चंद्र - राहु - शुक्र		चंद्र - राहु - सूर्य		चंद्र - राहु - चंद्र	
17/08/2026 11:22		18/09/2026 10:24		18/12/2026 17:54		15/01/2027 03:21	
18/09/2026 10:24		18/12/2026 17:54		15/01/2027 03:21		01/03/2027 19:06	
केतु	19/08/2026 08:07	शुक्र	03/10/2026 15:39	सूर्य	20/12/2026 02:46	चंद्र	18/01/2027 22:39
शुक्र	24/08/2026 15:57	सूर्य	08/10/2026 05:13	चंद्र	22/12/2026 09:33	मंगल	21/01/2027 14:35
सूर्य	26/08/2026 06:18	चंद्र	15/10/2026 19:51	मंगल	23/12/2026 23:54	राहु	28/01/2027 10:56
चंद्र	28/08/2026 22:13	मंगल	21/10/2026 03:41	राहु	28/12/2026 02:31	गुरु	03/02/2027 13:02
मंगल	30/08/2026 18:58	राहु	03/11/2026 20:24	गुरु	31/12/2026 18:11	शनि	10/02/2027 18:32
राहु	04/09/2026 14:01	गुरु	16/11/2026 00:36	शनि	05/01/2027 02:17	बुध	17/02/2027 05:46
गुरु	08/09/2026 20:17	शनि	30/11/2026 11:36	बुध	08/01/2027 23:25	केतु	19/02/2027 21:41
शनि	13/09/2026 21:44	बुध	13/12/2026 10:03	केतु	10/01/2027 13:46	शुक्र	27/02/2027 12:18
बुध	18/09/2026 10:24	केतु	18/12/2026 17:54	शुक्र	15/01/2027 03:21	सूर्य	01/03/2027 19:06

चंद्र - राहु - मंगल		चंद्र - गुरु - गुरु		चंद्र - गुरु - शनि		चंद्र - गुरु - बुध	
01/03/2027 19:06		02/04/2027 18:07		06/06/2027 16:31		22/08/2027 19:07	
02/04/2027 18:07		06/06/2027 16:31		22/08/2027 19:07		30/10/2027 18:55	
मंगल	03/03/2027 15:50	गुरु	11/04/2027 09:54	शनि	18/06/2027 21:32	बुध	01/09/2027 13:41
राहु	08/03/2027 10:53	शनि	21/04/2027 16:39	बुध	29/06/2027 19:42	केतु	05/09/2027 14:17
गुरु	12/03/2027 17:10	बुध	30/04/2027 21:26	केतु	04/07/2027 07:39	शुक्र	17/09/2027 02:15
शनि	17/03/2027 18:36	केतु	04/05/2027 16:20	शुक्र	17/07/2027 04:05	सूर्य	20/09/2027 13:02
बुध	22/03/2027 07:16	शुक्र	15/05/2027 12:04	सूर्य	21/07/2027 00:37	चंद्र	26/09/2027 07:01
केतु	24/03/2027 04:01	सूर्य	18/05/2027 17:59	चंद्र	27/07/2027 10:50	मंगल	30/09/2027 07:36
शुक्र	29/03/2027 11:51	चंद्र	24/05/2027 03:51	मंगल	31/07/2027 22:47	राहु	10/10/2027 15:59
सूर्य	31/03/2027 02:12	मंगल	27/05/2027 22:46	राहु	12/08/2027 12:22	गुरु	19/10/2027 20:45
चंद्र	02/04/2027 18:07	राहु	06/06/2027 16:31	गुरु	22/08/2027 19:07	शनि	30/10/2027 18:55

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।